न्यायालय अति0 जिला मजिस्ट्रेट करौली

पीठासीन अधिकारी सुदर्शनसिह तोमर आर.ए.एस

मु0नं0 51/2018 आर.सी.एम.एस. 2018/00131 तारीख रजू 27.11.2018

सरकार जरिये पुलिस अधीक्षक जिला करौली :– सायल/प्रार्थी

<u>बनाम</u>

अनवर पुत्र मजीद जाति मुसलमान निवासी लांगराथाना लांगराजिला करौली

:–गैरसायल/अप्रार्थी

<u>इस्तगासा अन्तर्गत धारा 3 राजस्थान गुण्डा नियन्त्रण अधिनियम 1975</u>

<u>निर्णय</u> दिनांक 18.11.2019

पुलिस अधीक्षक करौली द्वारा यह इस्तगासा राजस्थान गुण्डा नियन्त्रण अधिनियम 1975 की धारा 3 के अन्तर्गत गैरसायल अनवर पुत्र मजीद जाति मुसलमान निवासी लांगराथाना लांगराजिला करौली के विरूद्व प्रस्तुत किया गया है। अभियोग पत्र के अनुसार गैरसायल के विरूद्व पुलिस थाना लांगराजिला करौली मे निम्न केस दर्ज हुये है।

क्र.सं.	मुकदमा नम्बर व दिनांक	धारा	नतीजा पु0 चार्ज0नं0	न्यायालय निर्णय व दिनांक
01	85/014 दि0 21.6.2014	13 आरपीजीओ एक्ट	52 दिनांक 21.06.2014	जुर्माना 100रूपये दिनांक 21.6.2014
02	64/015 दि0 24.04.2015	13 आरपीजीओ एक्ट	25 दिनांक 29.04.2015	जुर्माना 100रूपये दिनांक 16.05.2015
03	189/015 दि0 6.08.2015	13 आरपीजीओ एक्ट	104 दिनांक 25.08.2015	जुर्माना 100रूपये दिनांक 30.09.2015
04	287/015 दि0 02.11.2015	13 आरपीजीओ एक्ट	162 दिनांक 10.11.2017	जुर्माना 100रूपये दिनांक 30.11.2015

उक्त पंजीबृत आपराधिक प्रकरण मे वाद जॉच चार्ज शीट किता कर संबन्धित न्यायालय मे चालान पेश किया गया जिसमे सक्षम न्यायालय द्वारा गैरसायल को उक्त प्रकरणो मे दोषी मानते हुये जुर्माना के दण्ड से दण्डित किया गया। गैरसायल जुआ, सटटा का आदतन अपराधी है जिससे आम जनता में कुप्रभाव पडता है। इतने प्रकरण दर्ज होने के बाबजूद भी इसकी कार्यशैली पर कोई असर नही हो रहा है बल्कि हौंसला बुलन्द होता जा रहा है। कानून का भय कतई नही रखता है। निरन्तर अपराध करता जा रहा है। ऐसे अपराधी का खुले रूप से घुमना आम जनता के जान–माल की सुरक्षा हेतु असुरक्षित रहता है। ऐसे अपराधी का खुले रूप मे सामाजिक सुरक्षा एवं कानून के राज के लिये कतई हित मे नही है। इस तरह के अपराधी के खिलाफ गुण्डा एक्ट की कार्यवाही किया जाना आम जनता के हित मे है।

अन्त मे स्थगासा पेश कर गैरसायल अपराधी अनवर पुत्र मजीद जाति मुसलमान निवासी लांगराथाना लांगराजिला करौली के खिलाफ कार्यवाही करने का निवेदन किया गया है।

स्थगासा को साबित करने के लिये हाजरी माफी रिपोर्ट एफआईआर की प्रति नतीजा चार्जशीट की प्रति नतीजा न्यायालय की प्रति एवं गवाह के नाम पेश किये है।

स्थगासा दर्ज रजिस्टर किया जाकर गैरसायल को राजस्थान गुण्डा नियंन्त्रण अधिनियम 1975 के नियम 04 के उल्लेखन अनुसार राजस्थान गुण्डा नियन्त्रण अधिनियम 1975 की धारा 3 के अन्तर्गत नोटिस जारी किया गया। गैरसायल जरिये अभिभाषक उपस्थित आया। गैरसायल की ओर से जबाव पेश कर निवेदन किया है कि प्रार्थी गरीब व्यक्ति है और उसके छोटे–छोटे बच्चे है। प्रार्थी को दोष मुक्त कर माफ फरमाया जावे। यदि प्रार्थी को दोषी माना जावे तो अन्य जिले मे नहीं भेजकर अन्य थाने मे उपस्थिति देने हेतु पाबंद फरमाया जावे।

सायल की ओर से इस्तगासा मे प्रथम सूचना रिपोर्ट तथा न्यायालय निर्णय की प्रति ,नतीजा चार्जशीट की प्रतियां पेश की गई है। जिसमे गैरसायल को आर्थिक दण्ड से दण्डित किया गया है। गैरसायल ने अपने बचाव पक्ष मे जबाव के अतिरिक्त अन्य किसी प्रकार की कोई साक्ष्य आदि पेश नही किये है।

गैरसायलान को असालतन एवं वकालानतन सुना गया। सायल ने अपने इस्तगासा मे गैरसायल के खिलाफ **चार** मुकदमे दर्ज करते हुये सक्षम न्यायालय मे चार्ज शीट पेश की गई थी जिसमे सक्षम न्यायालय ने अपने निर्णय मे गैरसायल को आर्थिक दण्ड से दण्डित किया गया है। सायल के इस्तगासा मे वर्णित तथ्यानुसार गैरसायल जुआ, सटटा का आदतन अपराधी है जिससे आम जनता को कुप्रभाव पड़ता है। गैरसायल सक्षम न्यायालय के दण्डित होने के बाद भी अपनी कार्यशैली पर कोई असर नही हो रहा है जिससे आम जनता मे ऐसे अपराधी का खुले रूप मे घुमना जान–माल की सुरक्षा हेतु असुरक्षित रहता है। जिसमे गैरसायल द्वारा अपने जबाव मे गरीब व्यक्ति होना स्वीकार करते हुये दोष मुक्त किये जाने का भी निवेदन किया गया है। किन्तु जब सक्षम न्यायालय द्वारा गैरसायल को दण्ड से दण्डित कर दिया गया है तो गैरसायल के विरूद्व यह विश्वास करने के पर्याप्त आधार है कि गैरसायल को राजस्थान गुण्डा नियंन्त्रण अधिनियम 1975 के नियमो के तहत अपराधिककृत कारित करने मे संलिप्त है। गैरसायल का कृत्य अनैतिक है जो समाज के लिये अभिशाप है। ऐसे मे उसके खिलाफ कार्यवाही किया जाना उचित समझते है।

अतः सायल/प्रार्थी का इस्तगासा स्वीकार किया जाकर गैरसायल श्री अनवर पुत्र मजीद जाति मुसलमान निवासी लांगराथाना लांगराजिला करौली को राजस्थान गुण्डा नियन्त्रण अधिनियम 1975 की धारा 3 के अन्तर्गत गुण्डा घोषित किया जाता है तथा गैरसायल को 15 दिवस की समयावधि के लिये थाना लांगराजिला करौली के परिक्षेत्र से निष्कासित करने का आदेश दिया जाता है। थाना अधिकारी लांगराको आदेश दिये जाते है कि दिनांक 01.12.2019 से 15.12.2019 की समयावधि के लिये थाना अधिकारी सदर हिण्डौन सिटी पर रहने हेतु सूपूर्द करें गैरसायल को सुविधा मार्ग से ले जाया जावे। गैरसायल वहां रहने की जानकारी के लिये थाने मे उपस्थिति देगा एवं 15 दिवस की समाप्ति से पूर्व थाना लांगराके किसी भी भाग मे प्रवेश नही करेगा। निर्णय की प्रति पुलिस अधिक्षक करौली एवं थाना अधिकारी लांगराएवं सदर थाना हिण्डौन को भेजे तथा एंक प्रति गैरसायल को दी जावे।

निर्णय आज दिनांक 18.11.2019 को खुले न्यायालय मे लिखाया जाकर सुनाया गया।

(सुदर्शनसिह तोमर)
अति0 जिला मजिस्ट्रेट
करौली

Signature Not Verified
Digitally signed by Sudarshan Singh Tomar
Date: 2019.11.20 15:22:35 IST
Reason: SelfAttested
Location: